RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 03 | ISSUE 168 | SATURDAY DATE 11-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

पीकर सोना तो नहीं, कोई बड़ा कसूर।
करता यदि हुड़दंग तो, देते टांग हजूर।
देते टांग हजूर, हुआ सब अनजाने में।
दारू पीकर वहीं, सो गया था थाने में।
कह साहिल कविराय, हो गया जो था होना।
पीकर जगता रहे, नहीं है पीकर सोना।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

संक्षिप्त खबरें

टीएमसी के तीन पूर्व राज्यसभा सांसदों ने थामा बीजेपी का दामन

कोलकाता, यूटर्न/ 10 जुलाई । तृणमूल कांग्रेस के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बराइक बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी ने तीनों को बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद तीनों नेताओं ने राज्यसभा की सदस्यता और टीएमसी से इस्तीफा दे दिया था। तीनों ने ममता से नाराजगी जताई थी और कहा था कि पार्टी मनमाने ढंग से चल रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुखेंदु राय ने 8 जून, सुष्मिता ने 10 जून और प्रकाश ने 11 जून को रिजाइन दिया था। बंगाल की इन तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 24 जुलाई को मतदान और मतगणना होगी। 14 जुलाई नामांकन दाखिल होगा और नामांकन पत्रों की जांच 15 जुलाई को होगी।

हिमाचल में भारी बारिश से पेड़ गिरे, पानी-बिजली बाधित, 75 सड़कें बंद लोग परेशान

शिमला, यूटर्न/ 10 जुलाई । हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की भारी बारिश ने तबाही मचाई है। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से कई जगह पेड़ उखड़ गए, लैंडस्लाइड हुआ और बिजली-पानी की सप्लाई भी बुरी तरह बाधित हुई है। राज्य में कुल 75 सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिससे लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक गुरुवार शाम तक 75 सड़कें बंद हो चुकी थीं। 29 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए और पांच पानी की योजनाएं बाधित हुई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग शुक्रवार को शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। सोलन में जरिए भारी बारिश हो सकती है। कुल्लू, मंडी, किन्नौर, हमीरपुर और चंबा में मध्यम बारिश का अनुमान है। इसके अलावा कांगड़ा, ऊना और बिलासपुर में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि लाहौल-स्पीति में सिर्फ हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक शिमला में भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ जगहों पर तेज बारिश हो सकती है। शिमला में मौसम सुहावना है और बारिश के कारण तापमान में 2 से 4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है।

दिल्ली-एनसीआर में सुगम यातायात और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को मिलेगी नई गति : रेखा गुप्ता

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर दक्षिण दिल्ली के महत्वपूर्ण मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके विकास का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि लगभग 8.8 किलोमीटर लंबा मांडी रोड दिल्ली-एनसीआर का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सड़क गलियारा है। यह छतरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पड़ोसी आर्थिक केंद्रों गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है तथा अंतर-राज्यीय यातायात के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की गवर्निंग बॉडी ने 27 सितंबर 2023 को आयोजित अपनी 68वीं बैठक में मांडी रोड के महत्व को मान्यता देते हुए इसके चौड़ीकरण और व्यापक विकास के प्रस्ताव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि मांडी रोड के रणनीतिक महत्व, मौजूदा और भावी यातायात मांग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-148ए के साथ इसके सीधे संपर्क को देखते हुए इस सड़क को एनएचएआई के दायरे में लाने पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर इसके विकास की जिम्मेदारी एनएचएआई को सौंपी जाए ताकि इसके विकास के लिए एकीकृत योजना बनाई जा सके, समान इंजीनियरिंग मानकों को अपनाया जा सके और इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर का समयबद्ध उन्नयन सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को बेहतर और अधिक सुगम यातायात सुविधा मिलेगी। साथ ही दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी से सकारात्मक विचार करने का आग्रह करते हुए इस मामले को आगे बढ़ाने में उनके निरंतर सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की।

जल संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि जल संरक्षण केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में शुक्रवार को 'कैच द रेन' पहल के अंतर्गत आज यहाँ इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), शिक्षा निदेशालय और एहसास एनजीओ के बीच एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। इस समझौते के तहत दिल्ली के 75 सीएम श्री स्कूलों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग परियोजना को लागू किया जायेगा। यह परियोजना आईजीएल की सीएसआर पहल के अंतर्गत संचालित की जायेगी, जिसके माध्यम से स्कूल परिसरों में मौजूदा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का ऑडिट, उनका पुनरुद्धार और नए रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किये जायेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

'दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रो सिंह की कुलपति पद पर पुनर्ननियुक्ति दूरदर्शी, ऐतिहासिक फैसला'

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर प्रो योगेश सिंह की पुनर्नियुक्ति के सरकार के निर्णय को दूरदर्शी और ऐतिहासिक महत्व का फैसला बताते विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज में संयुक्त निदेशक डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा ने कहा है कि श्री सिंह के लिए संस्थान को 21वीं सदी के एक अग्रणी शिक्षा केंद्र के रूप में ढालने का एक महती अवसर मिला है।

डॉ मल्होत्रा ने कहा कि सरकार ने प्रो सिंह को जिस तरह उनका पहला कार्यकाल पूरा होने के तीन माह पूर्व ही पुनर्नियुक्ति की सूचना दे दी है उससे वे निरंतर महत्वूपूर्ण निर्णय करने की स्थिति में हैं। उल्लेखनीय है कि प्रो सिंह का वर्तमान कार्यकाल सात अक्टूबर को पूरा हो रहा है।

महादेव ऑनलाइन बेटिंग केस में ईडी की कार्रवाई, 940.77 करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई । महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से जुड़े कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 940.77 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं। यह कार्रवाई ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। ईडी के अनुसार, अटैच की गई संपत्तियां विकास गर्ग, उनके परिवार के सदस्यों तथा उनके स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनियों से संबंधित हैं। इनमें रिहायशी मकान, भूमि के भूखंड, इक्विटी शेयर और अन्य प्रतिभूतियां शामिल हैं। यह कार्रवाई महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच का हिस्सा है। ईडी ने इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ के दुर्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर और छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों में दर्ज अन्य एफआईआर के आधार पर शुरू की थी।

खुले नाले में गिरकर युवक की मौत, परिजनों ने प्राधिकरण पर लगाया लापरवाही का आरोप

नोएडा, यूटर्न/ 10 जुलाई । लगातार हो रही बारिश के बीच नोएडा में एक दर्दनाक हादसे ने शहर की सुरक्षा व्यवस्थाओं और खुले नालों को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेक्टर-58 क्षेत्र में ड्यूटी पर जा रहे 27 वर्षीय युवक आर्यन की गहरे नाले में गिरने से मौत हो गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और पीड़ित परिजनों में भारी आक्रोश देखने को मिला। परिजनों ने इस हादसे के लिए नोएडा प्राधिकरण की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आर्यन रोज की तरह अपने कार्यस्थल के लिए जा रहा था। इसी दौरान बारिश के कारण सड़क पर जलभराव होने से उसे खुले और गहरे नाले का अंदाजा नहीं लग सका। देखते ही देखते वह नाले में गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बाद में उसे निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक बदलाव : 20 आईएएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ, यूटर्न/ 10 जुलाई । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रशासनिक ढांचे में देर रात एक बड़ा फेरबदल कर 20 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इस व्यापक प्रशासनिक सर्जरी से कई महत्वपूर्ण विभागों के मुखिया बदल गए हैं,वहीं अनेक वरिष्ठ नौकरशाहों को नई और अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार, राजस्व से लेकर चिकित्सा शिक्षा, बिजली वितरण और संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अहम बदलाव हुए हैं। राजस्व विभाग में सचिव के तौर पर काम कर रहीं शुभा वर्मा को उत्तर प्रदेश का नया श्रम आयुक्त बनाया गया है। एक और अहम नियुक्ति में, चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक और सचिव के तौर पर काम कर रहीं डॉ. सारिका मोहन को महानिदेशक (पंजीकरण) की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है, जबकि नेहा शर्मा, जो अब तक महानिदेशक (पंजीकरण) थीं, को चिकित्सा शिक्षा का नया महानिदेशक और सचिव नियुक्त किया है। भूविज्ञान और खनन विभाग में अतिरिक्त निदेशक अरुण कुमार को यूपी राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का मिशन निदेशक बनाया है।

ममता का बीजेपी को कड़ा संदेश : मुझे मारकर ही चुप कराया जा सकता

» **कोलकाता, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। वीडियो संदेश जारी कर उन्होंने सीधे चुनौती दी कि अगर भाजपा उन्हें चुप कराना चाहती है, तब उन्हें उनकी जान लेनी होगी। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार टीएमसी नेताओं को परेशान कर रही है और उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने कहा कि उनकी आवाज दबाने के लिए हर संभव प्रयास हो रहा है, लेकिन वह डरने वाली नहीं हैं। ममता का वीडियो टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में ममता ने महुआ मोइत्रा, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे बड़े नेताओं को निशाना बनाने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि उनके घर तक पर हमला हुआ। हिरासत में लिए गए पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अमानवीय व्यवहार का जिक्र कर ममता ने आरोप लगाया कि उन्हें जमीन पर सोने, कमर में रस्सी बांधकर और पैरों में बेड़ियां डालकर घुमाया जा रहा है, और कुछ का सिर मुंडवा दिया गया। ममता ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ लोग टीएमसी में रहने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन काम भाजपा के लिए कर रहे हैं।

जेपी नड्डा ने तीसरी एमएसजी बैठक की अध्यक्षता की

तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

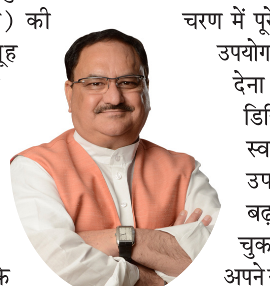

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी. नड्डा ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की तीसरी मिशन संचालन समूह (एमएसजी) बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश के डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, अनुप्रिया पटेल और जितिन प्रसाद सहित नीति आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), आयुष मंत्रालय और विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जे.पी. नड्डा ने नागरिक-केंद्रित, इंटरऑपरेबल और तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब मिशन के अगले चरण में पूरे देश में इसके अधिकतम उपयोग अपनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। नड्डा ने कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता और पारदर्शिता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। प्रत्येक नागरिक को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक सुरक्षित और सहमति-आधारित पहुंच उपलब्ध कराना एबीडीएम का प्रमुख उद्देश्य है। उनके अनुसार, तकनीक 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, बशर्ते यह समावेशी, सुलभ और उपयोग में आसान हो।

केंद्रीय मंत्री प्रतापराव ने सीएम रेखा गुप्ता को लिखा पत्र, दिल्ली के वन-रोपण अभियान में औषधीय पौधों को शामिल करने का आग्रह

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने दिल्ली सरकार की ओर से दिल्ली रिज इकोसिस्टम के संरक्षण और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की सराहना की है। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर इस पहल को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत शहरी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में जाधव ने कहा कि दिल्ली में 70 लाख से अधिक स्वदेशी एवं जलवायु-अनुकूल पेड़ लगाने, 70 से अधिक जल निकाय विकसित करने और लगभग 6,000 हेक्टेयर भूमि को वन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना राजधानी के पर्यावरणीय संतुलन को मजबूत करेगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान शहरी वायु गुणवत्ता सुधारने और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित वातावरण तैयार करने में सहायक होगा। केंद्रीय मंत्री ने विशेष रूप से दिल्ली रिज क्षेत्र में विलायती किकर और बाबूल जैसी आक्रामक प्रजातियों को हटाकर पीपल, बरगद, नीम, अर्जुन और जामुन जैसी देशी प्रजातियों को बढ़ावा देने के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वृक्ष प्रजातियों का विस्तार दिल्ली के प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाएगा और रिज क्षेत्र को शहर के 'फेफड़ों' के रूप में और अधिक प्रभावी बनाएगा।

पर्यावरण संरक्षण के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा को जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए जाधव ने सुझाव दिया कि दिल्ली में प्रस्तावित आठ वनों में कम से कम 20 प्रतिशत क्षेत्र औषधीय पौधों के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि यह संभव न हो तो कम से कम दो वनों को पूरी तरह समर्पित औषधीय वन के रूप में विकसित किया जाए। जाधव ने कहा कि औषधीय वन आयुष क्षेत्र के लिए गुणवत्तापूर्ण कच्चे माल का स्थायी स्रोत उपलब्ध करा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

बारिश ने थामी सफर की रफ्तार, सिर्फ 2500 लोगों ने की बस की यात्रा

साहिबाबाद। दो दिन से हो रही बारिश का असर परिवहन निगम पर भी देखने को मिला। कौशांबी डिपो से औसतन जहां हर दिन जहां 15 से 20 हजार लोग सफर करते हैं। वहीं, बृहस्पतिवार को महज 2500 यात्रियों ने ही सफर किया। यात्रियों की कम संख्या को देखते हुए कौशांबी डिपो से महज 150 बसों का ही संचालन किया गया। बृहस्पतिवार को भी कौशांबी बस डिपो पर जल भराव के कारण बड़ी मुशकिल से बसों तक पहुंचे। सामान्य दिनों में जहां 450 बसों का संचालन किया जाता है और 20 हजार यात्री सफर करते हैं। बृहस्पतिवार को सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या काफी कम रही और करीब ढाई हजार यात्रियों ने ही बसों से सफर किया। इस दौरान बसों के प्लेटफॉर्म पर खड़े होने को लेकर कैंटीन संचालक और परिचालकों के बीच कहासुनी भी हुई। परिचालकों का आरोप है कि कैंटीन संचालक बसों को कैंटीन के सामने प्लेटफॉर्म से बस सटाकर खड़ा नहीं होने दे रहा है। इसके कारण बसें कुछ दूरी पर डिपो परिसर में रोकनी पड़ रही और यात्रियों को जलभराव वाले हिस्से से होकर बस तक पहुंचना पड़ रहा है। इससे यात्रियों के साथ-साथ निगम कर्मचारियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश और यातायात बाधित होने के कारण बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर नहीं निकले। इसका सीधा असर परिवहन निगम पड़ा। स्थिति सामान्य होने पर ही यात्रियों की में इजाफा हो सकेगा। डिपो परिसर से पानी भी पंप के सहारे निकाला जाएगा।

नींव में पानी भरने से मकान की छत गिरी, महिला हुई चोटिल

लोनी, यूटर्न/ 10 जुलाई । बरसात में जल भराव के बाद नींव कमजोर होने से मुगल गार्डन कॉलोनी में एक मकान की छत गिर गई। मकान के गेट पर खड़ी महिला मामूली रूप से चोटिल हो गई। घटना के दौरान परिवार के लोग बाहर थे। महिला के पति ई-रिक्शा चलाते हैं। मकान की छत गिरने से परिवार अब सड़क पर आ गया है। पड़ोसी परिवार की मदद कर रहे हैं। लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से परिवार की मदद करने की मांग की है। हैदर उर्फ भूरा परिवार के साथ लोनी के मुगल गार्डन कॉलोनी में रहते हैं। उनकी पत्नी फरजाना ने बताया कि बारिश बंद होने पर पति हैदर ई-रिक्शा चलाने के लिए गए थे। चारों बच्चे मोहिन, तुराब अली, मोहम्मद जिया और बेटी सुकेना घर से कुछ दूर ट्यूशन पढ़ने के लिए गए थे। शाम करीब छह बजे वह मकान के दरवाजे पर खड़ी होकर बच्चों के घर लौटने का इंतजार कर रही थी।

नोएडा में बारिश के बाद हादसा, सेक्टर-12 में दीवार ढहने से कई कारें क्षतिग्रस्त

» नोएडा, यूटर्न/ 10 जुलाई ।

लगातार हो रही बारिश के बीच नोएडा के सेक्टर-12 स्थित वाई ब्लॉक में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दिनभर हुई बारिश के बाद एक कमजोर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे वहां खड़ी कई कारें मलबे की चपेट में आ गईं। हादसे में तीन से चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिसके चलते किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण दीवार की नींव कमजोर हो गई थी। अचानक तेज आवाज के साथ दीवार भरभराकर गिर गई और उसके नीचे खड़ी कारें दब गईं। मलबे की चपेट में आने से वाहनों के शीशे टूट गए और बॉडी को भी काफी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय निवासियों का कहना है कि संबंधित दीवार काफी समय से जर्जर हालत में थी। कई बार इसकी मरम्मत कराने और संभावित खतरे को लेकर संबंधित विभाग का ध्यान आकर्षित कराया गया था, लेकिन समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि यदि पहले ही दीवार की मरम्मत या उसे हटाने का काम कर दिया जाता तो यह हादसा टाला जा सकता था।

घटना के बाद रेजिडेंट्स में प्रशासन और संबंधित विभाग के प्रति नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने मांग की कि सेक्टर में मौजूद सभी जर्जर दीवारों और कमजोर संरचनाओं का तत्काल सर्वे कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। साथ ही क्षतिग्रस्त वाहनों के मालिकों को उचित मुआवजा देने की भी मांग की गई। सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-24 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ जिला कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा प्रचार सचिव कुलवंत सिंह बग्गा का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 जुलाई । ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ की जिला कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा संगठन के प्रचार सचिव कुलवंत सिंह बग्गा का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में संगठन की जिला कार्यकारिणी, कुरुक्षेत्र एवं हरियाणा प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विशेष रूप से भाग लिया। उपस्थित पदाधिकारियों ने कुलवंत सिंह बग्गा के संगठन के प्रति समर्पण, सक्रिय कार्यशैली एवं पत्रकार हितों के लिए किए जा रहे उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती, पत्रकारों के सम्मान एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सभी पदाधिकारी एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुलवंत सिंह बग्गा भविष्य में भी संगठन एवं समाज के हित में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। समारोह के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने कुलवंत सिंह बग्गा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी तथा आपसी भाईचारे, संगठन की एकता और पत्रकार हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण एवं सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सीटू के नेतृत्व में सर्व कर्मचारी संघ ने मांगों को लेकर परियोजना अधिकारी के कार्यालय पर किया, प्रदर्शन

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 10 जुलाई । आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर यूनियन संबंधित सीटू एवं सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला कमेटी पानीपत के नेतृत्व में जिला परियोजना अधिकारी पानीपत कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए यूनियन के राष्ट्रीय आवाहन पर मनाई जा रहे काला दिवस के मौके पर अपनी मांगों को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा भारत सरकार नई दिल्ली को लिखित मांग पत्र जिला परियोजना अधिकारी के माध्यम से भेजा गया। स्थानीय मांगों से संबंधित भी जिला परियोजना अधिकारी से अलग से ज्ञापन दिया गया।

*विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त, आंगनबाड़ी यूनियन पानीपत शहरी प्रधान प्रभारानी, सुरेश बाला, रेनू, दर्शन, सतवंती, किरण, कांता देवी ने किया।

*सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आंगनबाड़ी परियोजना को 50 वर्ष

पूरे हो चुके हैं। देश की लाखों महिलाएं इस परियोजना में कार्य कर रही है। जिनका आर्थिक शोषण सरकार कर रही है। यूनियन लगातार मांग कर रही है कि परियोजना में लगी सभी आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, बढ़ती महंगाई को देखते हुए न्यूनतम वेतन के अनुसार केंद्र सरकार वर्कर्स को 41000 रुपए, हेल्पर को 35000 मासिक वेतन दिया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार झूठों की सरकार है। सन 2018 में 1500 बढ़ाने की घोषणा की थी लेकिन अब तक नहीं दिया गया। दूसरी तरफ देश के सुप्रीम कोर्ट ने सन 2022 के अंदर आंगनवाड़ी वर्कर्स को ग्रेच्युटी लागू करने के आदेश दिए थे उसको भी जारी नहीं किया गया। केंद्र सरकार से इस लिखित मांग पत्र के माध्यम से यूनियन ने मांग की है कि रिटायरमेंट के समय न्यूनतम मासिक पेंशन 18000 रुपए की जाए और जब तक पेंशन लागू न हो तब तक रिटायर न किया जाए, महंगाई को देखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों का किराया बढ़ाया जाए महानगर में बढ़कर 15000 किया जाए, शहरी इलाके में 10000 किया जाए और ग्रामीण इलाके में 5000 किया जाए, आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर को छुड न लगाया जाए और रक्फ्रव अन्य सर्वे ने करवाया जाएं, आंगनबाड़ी केदो पर क्वालिटी चेक करके बच्चों के लिए भोजन सामग्री उपलब्ध करवाई जाए, विभाग द्वारा समय-समय पर प्रशासनिक बैठकों में आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर को आने के लिए किराया दिया जाए, सरकारी नौकरी प्राइमरी टीचर, ग्राम सेवक, स्वास्थ्य विभाग में एएनएम आदि पदों पर आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर का भर्ती कोटा निर्धारित किया जाए।

स्थानीय मांगे: आंगनबाड़ी शहरी और ग्रामीण केंद्रों का बकाया किराए का तुरंत भुगतान किया जाए। कई वर्ष पहले हड़ताल के समय का वेतन पूरे हरियाणा में लगभग सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और हेल्पर को मिल चुका है। पानीपत जिले में अभी केवल पांच आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर का बकाया है वह तुरंत भुगतान किया जाए वरना आंदोलन कार्यालय के सामने करने पर मजबूर होना पड़ेगा। पिछले 2 वर्ष से सर्दी और गर्मी की वर्दी का बकाया पैसा तुरंत दिया जाए।

मुख्यमंत्री कृषक एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना बनी किसानों का मजबूत सहारा : चेयरमैन प्रवीण सैनी

हरियाणा, यूटर्न/ 10 जुलाई । हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री कृषक एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के अंतर्गत कृषि कार्य के दौरान दुर्घटना का शिकार हुए किसानों को आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। मार्केट कमेटी बरवाला के चेयरमैन प्रवीण सैनी ने लाभार्थियों को चेक सौंपते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और खेतिहर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्रभावित परिवार आर्थिक संकट का सामना न करे। चेयरमैन प्रवीण सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किसान कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। खेती के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों को त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना सरकार की जनकल्याणकारी सोच का प्रमाण है। उन्होंने अधिकारियों से पात्र लाभार्थियों के मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने का भी आ'ान किया। चेयरमैन ने बताया कि मुख्यमंत्री कृषक एवं खेतीहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के तहत कृषि कार्य अथवा कृषि मशीनरी के उपयोग के दौरान दुर्घटना में मृत्यु, स्थायी अथवा आंशिक दिव्यांगता होने पर किसानों, खेतिहर मजदूरों एवं मंडी कामगारों को 37 हजार 500 रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति इस योजना का लाभ लें और किसी भी दुर्घटना की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन अवश्य करें।

पत्रकारों को रेल में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान करे केंद्र सरकार: अश्वनी वालिया, दलबीर सिंह मलिक

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 जुलाई। ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी वालिया एवं मुख्य प्रदेश संरक्षक दलबीर सिंह मलिक ने संयुक्त बयान जारी करते हुए केंद्र सरकार एवं रेल मंत्रालय से मांग की है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को भारतीय रेल में नि:शुल्क अथवा विशेष रियायती यात्रा की सुविधा प्रदान की जाए।

उन्होंने कहा कि पत्रकार दिन-रात समाज, सरकार और आमजन के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हैं। समाचार संकलन, प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं, चुनावों, सामाजिक एवं सरकारी कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग के लिए उन्हें लगातार विभिन्न स्थानों की यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में रेल यात्रा की नि:शुल्क सुविधा मिलने से पत्रकार अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे।

अश्वनी वालिया एवं दलबीर सिंह मलिक ने कहा कि देश के विकास, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने में पत्रकारों

की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसलिए केंद्र सरकार को पत्रकारों के हितों का ध्यान रखते हुए उनकी यात्रा संबंधी सुविधाओं में वृद्धि करनी चाहिए।

उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया कि मान्यता प्राप्त एवं पात्र पत्रकारों के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाकर भारतीय रेल में नि:शुल्क अथवा विशेष रियायती यात्रा सुविधा लागू की जाए। इससे पत्रकारों को राहत मिलेगी और वे देश एवं समाज की सेवा और अधिक समर्पण के साथ कर सकेंगे।

अंत में दोनों नेताओं ने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार पत्रकारों की इस जनहितकारी मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र उचित निर्णय लेगी।

एसडीएम की पंचकूला विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील 4 दिनों मे गणना प्रपत्र फॉर्म भरे नहीं तो वोट कट जाएगा

एईआरओ, अतिरिक्त एईआरओ, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मतदाता गणना प्रपत्र फॉर्म भरवाने में सहयोग का किया अनुरोध

» पंचकूला, यूटर्न/ 10 जुलाई।

एसडीएम व ईआरओ चंद्रकांत कटारिया ने पंचकूला विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की 4 दिनों मे गणना प्रपत्र फॉर्म भरने का कार्य पूरा करे अन्यथा आपका वोट कट जाएगा।

एसडीएम ने लघु सचिवालय के सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को लेकर एईआरओ, अतिरिक्त एईआरओ, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये बात कही।सभी से गणना प्रपत्र फार्म चार दिनों में भरने का भी अनुरोध किया।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को पूरा करने ओर फार्म भरने में बीएलओ,बीएलए ओर शिविर में जाकर मदद ले ओर संबंधित

□ ईआरओ ने मतदाताओं से अपील की कि वे फार्म भरने के लिए अपने बीएलओ की मदद लें व सुपरवाईजर्स व बीएलओ व बीएलए को सहयोग करें व ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची समय पर तैयार हो सके।

बीएलओ के पास जाकर फॉर्म भरे ताकि सत्यान मतदाता सूची व डिजिटलीकरण का कार्य पूरा किया जा सके।

उन्होंने बताया कि एसआईआर भारत निर्वाचन आयोग का मुख्य कार्यक्रम है ओर लोकतंत्र में एसआईआर की मुख्य भूमिका है।

उन्होने संबंधित अधिकारीयो से आपसी तालमेल कर एसआईआर के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि सत्यान मतदाता सूची व डिजिटलीकरण का कार्य तय समय में पूरा हो सके।

उन्होने पंचकूला विधानसभा क्षेत्र में सत्यपित सूची के डिजिटलकरण का लगभग 58 % कार्य पूरा किया जा चुका हैं और 1200 से अधिक मतदाताओं वाले चार नये मतदान केंद्र बनाने के लिए आयोग को प्रस्ताव भेजा जा चुका हैं। उन्होंने बीएलओ को अपने अपने क्षेत्र के बीएलए के साथ मिलजुलकर गणना प्रपत्र भरने के कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिए, डिजिटलाईजेशन का कार्य तय समय में पूरा किया जा सके।

ईआरओ ने मतदाताओं से अपील की कि वे फार्म भरने के लिए अपने बीएलओ की मदद लें व सुपरवाईजर्स व बीएलओ व बीएलए को सहयोग करें व ताकि त्रुटिरहित मतदाता सूची समय पर तैयार हो सके।

उन्होने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं के नाम नियमानुसार मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। इसके बाद मतदाताओं की संख्या के आधार पर पंचकूला विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का रैशनलाइजेशन किया जाएगा।

सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

खनन एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने किया आधुनिक पुस्तकालय का लोकार्पण

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 10 जुलाई। सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल, पानीपत में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी एवं टॉपर विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के पंचायत एवं विकास तथा खान एवं भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक फादर कार्तिक एबल ने की। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर दीपा सेबास्टियन, शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने विद्यालय के नवीन पुस्तकालय का विधिवत उद्घाटन किया तथा पुस्तकालय का अवलोकन करते हुए विद्यालय की इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। इसके उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर दीपा सेबास्टियन ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन किया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रबंधक फादर कार्तिक एबल ने मुख्यअतिथि मंत्री कृष्ण लाल पंवार को पौधा भेंट कर और पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025-26 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी एवं टॉपर विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिह्न एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूरा विद्यालय परिवार गौरवान्वित दिखाई दिया।

12 जुलाई को अग्रोहा में होगी गौपुत्र दल की पहली राष्ट्रीय बैठक

» हरियाणा, यूटर्न/ 10 जुलाई।

गौपुत्र दल ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक गांव कुलेरी स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर धर्मशाला में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से ट्रस्ट के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इसमें गौपुत्र सुनील क्रांतिकारी को अध्यक्ष, विकास योगी को उपाध्यक्ष, पवन महता को सचिव तथा अमनदीप को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सचिव पवन महता ने बताया कि गौपुत्र दल की पहली राष्ट्रीय बैठक 12 जुलाई 2026 को अग्रोहा में आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रीय बैठक में देशभर से

संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। बैठक के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार, संगठन को सशक्त बनाने की रणनीति तथा गौसेवा, मानव सेवा और राष्ट्र सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि गौपुत्र दल ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर गौसेवा, गौ तस्करी रोकथाम, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य सामाजिक सेवा गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। संगठन के सभी सदस्यों को पहचान पत्र जारी किए जाएंगे तथा प्रत्येक प्रदेश, जिला और तहसील स्तर पर संगठन का विस्तार किया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि संगठन का राष्ट्रीय कार्यालय ओ३म् लाइब्रेरी, अग्रोहा मोड़ पर संचालित रहेगा। इसके अलावा प्रत्येक प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर पर कार्यकारिणी गठित कर स्थानीय कार्यालय स्थापित किए जाएंगे, ताकि सेवा कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित किया जा सके।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुलेरी की एनएसएस इकाई द्वारा वन महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन

» हरियाणा, यूटर्न/ 10 जुलाई।

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुलेरी की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा शुक्रवार को विद्यालय परिसर में वन महोत्सव का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय

के वाइस प्रिंसिपल डॉ. विनय नासा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की शोभा ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का आधार हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार शास्त्री ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्वयंसेवकों को 'एक छात्रइएक पौधा' अभियान से जुड़ने का आ'ान किया। उन्होंने वनों के संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा जैव विविधता बनाए रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आग्रह किया।

निस्वार्थ भाव से की गई सेवा और सहयोग कभी व्यर्थ नहीं जाता है

श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत एवं साया निरंतर कर रहे हैं जरूरतमंद लोगों के लिए भंडारों का आयोजन

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 10 जुलाई। नस्वार्थ भाव से की गई सेवा और सहयोग कभी व्यर्थ नहीं जाता है। सेवा एवं सहयोग से आत्मसंतोष के साथ पुण्य भी मिलता है। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पदाधिकारियों कुलवंत गर्ग एवं नवीन बंसल ने कहा कि किसी जरूरतमंद की सहायता करने से जो आंतरिक खुशी और

मानसिक शांति मिलती है, उसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि जब आप किसी के काम आते हैं तो वह लोग आपके प्रति आजीवन कृतज्ञ रहते हैं। इससे मजबूत और आत्मीय सदाचारी संबंधों का निर्माण होता है। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत एवं साया के तत्वाधान में शुक्रवार को डिंपल गर्ग एवं अशोक गर्ग द्वारा श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में यात्रियों, राहगीरों, श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंद लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के अवसर पर कुलवंत गर्ग, गौरव मित्तल, नवीन बंसल, सुरेश गोयल, अमित रोहिला, विनोद गर्ग (पप्पू) सहित अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने आयोजकों द्वारा समाज सेवा एवं जनकल्याण की भावना से किए गए इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक एकता और सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण बताया। श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए।

‘सतलुज’ फिल्म ने परदा उठाया, इतिहास ने पूरा हिसाब खोल दिया

संदीप शर्मा

‘सतलुज’ फि ल्म से जुड़े विवाद ने पंजाब में उग्रवाद के दौर और कलात्मक आजादी पर बहस को फिर से शुरू कर दिया है। इसने उस दौर के सबसे प्रभावशाली और विवादास्पद शख्सियतों में से एक, पंजाब पुलिस के पूर्व प्रमुख केपीएस गिल को भी फिर से चर्चा में ला दिया है। लेकिन इतिहास चुनिंदा बातों को याद रखने की इजाजत नहीं देता। अगर उग्रवाद को खत्म करने में गिल की भूमिका पर फिर से बात हो रही है, तो उनके सार्वजनिक जीवन के एक और अहम पहलू पर भी बात होनी चाहिए: आईएएस अधिकारी रूपेन देओल बजाज द्वारा उन पर दर्ज कराया गया यौन उत्पीड़न का मामला। इसीलिए ‘सतलुज’ पर हो रही बहस उन मायनों में भी अहम हो गई है, जिनका शायद इसके बनाने वालों या आलोचकों ने सोचा भी नहीं था। इसने एक बड़ा सवाल फिर से खड़ा कर दिया है: क्या समाज ऐतिहासिक हस्तियों को सिर्फ़ उनकी कामयाबियों के लिए ही याद रख सकता है? या इतिहास को पूरी तरह से समझना चाहिए, जिसमें कामयाबी और जवाबदेही दोनों को माना जाए? शायद ही कोई इस बात से इनकार करेगा कि 1980 के दशक के आखिर और 1990 के दशक की शुरूआत में आतंकवाद के खिलाफ राज्य के अभियान में केपीएस गिल ने अहम भूमिका निभाई थी। कई लोगों के लिए, वे वही पुलिस अधिकारी हैं जिन्होंने सालों के खून-खराबे के बाद पंजाब में हालात को कुछ हद तक सामान्य बनाने में मदद की थी। लेकिन जन-सेवा और सार्वजनिक आचरण एक ही सिक्के के दो पहलू नहीं हैं। एक दूसरे की जगह नहीं ले सकता। 1988 में, सीनियर आईएएस अधिकारी रूपेन देओल बजाज ने गिल पर एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि गिल ने ऐसा व्यवहार किया जिसे उन्होंने अपमानजनक और आपत्तिजनक माना। उस समय, भारत में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से निपटने के लिए कोई खास कानूनी ढांचा नहीं था और न ही ऐसा सामाजिक माहौल था जो महिलाओं को ताकतवर पुरुषों को चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित करता। कई लोगों ने बजाज को मामला छोड़ देने की सलाह दी। लेकिन उन्होंने लड़ने का फैसला किया। उनकी कानूनी लड़ाई सालों तक चली, जिसमें उन्हें संस्थागत विरोध, लोगों की नजर और भारी निजी दबाव का सामना करना पड़ा। आखिरकार, अदालतों ने गिल को भारतीय दंड संहिता की उन धाराओं के तहत दोषी ठहराया जो किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने से संबंधित हैं। आज के नजरिए से देखें तो बजाज का मामला और भी अहम लगता है। #MeToo आंदोलन के जरिए सत्ता और जेंडर (लिंग) पर बातचीत का तरीका बदलने से बहुत पहले ही, उन्होंने उस संस्कृति को चुनौती दी थी जिसमें प्रभावशाली पुरुषों के गलत व्यवहार के सामने महिलाओं से चुप रहने की उम्मीद की जाती थी। यही बात ‘सतलुज’ विवाद को सिनेमा से परे भी अहम बनाती है। जो फि ल्में विवादित दौर को फिर से दिखाती हैं, वे न सिर्फ़ ऐतिहासिक घटनाओं, बल्कि उन्हें आकार देने वाले लोगों के बारे में भी बहस को फिर से ज़िंदा कर देती हैं। जब केपीएस गिल का ज़िक्र फिर से आम चर्चा में आता है, तो सिर्फ़ उनकी कामयाबियों पर बात करना और उन कानूनी व नैतिक सवालों को नजरअंदाज करना नामुमकिन हो जाता है, जो उनकी पहचान का अहम हिस्सा हैं।

चिंतन-मननः भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है।

हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिएट तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- ‘‘युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।’’ यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए। भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। ‘‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’’ का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से बढ़ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव बढ़ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है।

भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

फाइलों के जंगल में कैद इंसाफ

कुमार कृष्णन

बिहार में भ्रष्टाचार का सबसे भयावह चेहरा किसी बहुचर्चित घोटाले, करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितता या किसी हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी में नहीं दिखाई देता। उसका सबसे निर्मम चेहरा उस किसान की आंखों में दिखाई देता है, जो अपने पिता की छोड़ी हुई जमीन पर अपना नाम दर्ज कराने के लिए महीनों अंचल कार्यालय के चक्कर काटता रहता है। वह उस विधवा के धैर्य में दिखाई देता है, जो सरकारी पट्टे की फाइल लिए दफ्तर-दफ्तर भटकती है। वह उस प्रवासी मजदूर की बेबसी में दिखाई देता है, जिसने जीवनभर की कमाई से दो कट्ठा जमीन खरीदी, लेकिन वर्षों बाद भी वह कागजों पर उसका मालिक नहीं बन सका।

बिहार में भ्रष्टाचार कोई अमूर्त अवधारणा नहीं है। यह आम आदमी के जीवन की रोजमर्रा की सच्चाई है। यही कारण है कि राज्य में जब भी भ्रष्टाचार की चर्चा होती है तो सबसे पहले लोगों की जुबान पर अंचल कार्यालय, ब्लॉक कार्यालय, थाना, दाखिल-खारिज, जमाबंदी, परिमार्जन और भूमि विवाद जैसे शब्द आते हैं। यह संयोग नहीं है। यह उस व्यवस्था का परिणाम है जिसमें नागरिक और सरकार का पहला संपर्क अक्सर ऐसे कार्यालयों से होता है, जहां व्यवस्था की विश्वसनीयता सबसे अधिक सवालों के घेरे में रहती है। विडंबना यह है कि बिहार विकास, निवेश और सुशासन की नई कहानी लिखने का दावा कर रहा है। सड़कों का जाल बिछ रहा है, औद्योगिक निवेश की बातें हो रही हैं, डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लेकिन इसी विकास यात्रा के समानांतर एक दूसरा बिहार भी मौजूद है—जहां आज भी फाइलों की गति नियमों से नहीं, बल्कि रिश्तों, सिफारिशों और कथित सुविधा शुल्क से तय होती है।

सबसे अधिक शिकायतें भूमि और राजस्व प्रशासन को लेकर हैं। इसके पीछे कारण भी स्पष्ट है। बिहार की सामाजिक और आर्थिक संरचना में भूमि केवल संपत्ति नहीं है। वह सम्मान है, सुरक्षा है, विरासत है और भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी भी। ऐसे में यदि भूमि का रिकॉर्ड ही संदिग्ध हो जाए या वैध मालिक को अपना अधिकार सिद्ध करने के लिए रिश्वत देनी पड़े, तो यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहती; यह सामाजिक न्याय का प्रश्न बन जाती है। दाखिल-खारिज की प्रक्रिया इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कानून कहता है कि जमीन की खरीद-बिक्री के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर नए मालिक का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज होना चाहिए। डिजिटल पोर्टल भी बनाए गए हैं, समय-सीमा भी तय की गई है और पारदर्शिता की बात भी की जाती है। लेकिन व्यवहार में हजारों लोग बताते हैं कि फाइलें महीनों तक लंबित रहती हैं। कभी कोई नया दस्तावेज मांग लिया जाता है, कभी तकनीकी आपत्ति लगा दी जाती है, कभी अभिलेख अधूरे बता दिए जाते हैं और कभी बिना पर्याप्त कारण आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है। यहीं से शुरू होता है उस समानांतर तंत्र का प्रभाव, जिसकी चर्चा सरकारी रिपोर्टों में कम और चाय की दुकानों पर अधिक होती है। अंचल कार्यालयों के बाहर सक्रिय बिचौलिये किसी छिपे हुए नेटवर्क का हिस्सा नहीं हैं। वे खुलेआम लोगों से संपर्क करते हैं। कई नागरिकों का अनुभव है कि कार्यालय पहुंचने से पहले ही कोई न कोई व्यक्ति यह बताने लगता है कि किस कर्मचारी से बात करनी है, किस अधिकारी तक पहुंच बनानी है और किस काम के लिए कितना खर्च आएगा। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस व्यवस्था ने भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया है। आम नागरिक अब यह मानने लगा है कि बिना पैसे दिए काम नहीं होगा। यह सोच किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जब जनता कानून से अधिक दलालों पर भरोसा करने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि प्रशासन और नागरिक के बीच विश्वास की डोर कमजोर पड़ चुकी है। मुंगेर सहित बिहार के अनेक जिलों में समय-समय पर ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि कर्मचारी सीधे नागरिक से कम और बिचौलियों के माध्यम से अधिक संवाद करते हैं।

ई20 पेट्रोल की ओर बदलाव वर्षों के परीक्षण और विचार-विमर्श का परिणाम : पेट्रोलियम मंत्रालय

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ई10 से ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) की तरफ बदलाव वर्षों के जांच, मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के साथ विचार-विमर्श और जमीनी परीक्षण का परिणाम है। साथ ही, कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की प्रक्रिया उनकी सरकार में नहीं, बल्कि पिछली सरकारों के दौरान हुई थी। मंत्रालय ने बयान में कहा, '2001 में एथेनॉल मिलाने का एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया गया था, 2004 में इसकी औपचारिक घोषणा की गई थी और 2006 तक कई राज्यों में ई5 (5 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) लागू कर दिया गया था। इसके बाद, यूपीए सरकार के दौरान जनवरी 2013 में भारत के राजपत्र में इसकी पॉलिसी रूपरेखा को अधिसूचित किया गया था। ये सभी सार्वजनिक रिकॉर्ड में उपलब्ध है।'

भारत ने 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा था। दुर्भाग्य से, इस लक्ष्य के बावजूद, 2014 तक मिश्रण लगभग 1.5 प्रतिशत पर ही अटकी रही।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, 'ईंधन के तौर पर एथेनॉल पर किसी ने सवाल नहीं उठाया। यह बात दुनिया भर में पहले ही तय हो चुकी थी। असली चुनौती यह थी कि भारत कैसे पर्याप्त मात्रा में एथेनॉल का उत्पादन कर सकता है।'

उस समय, भारत लगभग पूरी तरह से गन्ने पर निर्भर था, जो एक मौसमी फसल है, और सालाना एथेनॉल उत्पादन क्षमता लगभग 400 करोड़ लीटर थी। उत्पादन का यह स्तर एथेनॉल मिश्रण के मामूली लक्ष्यों के लिए भी अपर्याप्त था।

इस समस्या को समझते हुए, सरकार ने अपने काम करने के तरीके में बुनियादी बदलाव किया। मई 2018 में 'बायोफ्यूल पर राष्ट्रीय नीति' शुरू होने के साथ, सरकार ने बड़े पैमाने पर एथेनॉल बनाने के लिए जरूरी इकोसिस्टम बनाना शुरू किया। यह पूरी सरकार के लिए एक मिशन बन गया था। सरकारी बयान में कहा गया, 'पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, भारतीय रेलवे और कई अन्य मंत्रालयों ने मिलकर काम किया। उ

डिक्सन-वीवो जेवी को सरकार की मंजूरी, भारत में बनेंगे स्मार्टफोन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई । घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज और चीनी स्मार्टफोन दिग्गज वीवो मोबाइल इंडिया अब मिलकर भारत में स्मार्टफोन बनाएंगे। केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण जॉइंट वेंचर (जेवी) को मंजूरी दे दी है, जिससे देश में मोबाइल विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इस नई कंपनी में डिक्सन की 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी होगी, जबकि वीवो के पास 49 फीसदी हिस्सेदारी रहेगी। पिछले दिसंबर में हुए समझौते को अब सरकार की हरी झंडी मिल गई है। यह जॉइंट वेंचर सिर्फ वीवो ही नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर अन्य मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड्स के लिए भी मैन्युफैक्चरिंग कर सकेगा। चीन जैसे पड़ोसी देशों से आने वाले निवेश पर प्रेस नोट-3 के तहत सरकारी मंजूरी अनिवार्य है, और इसी नियम के तहत इस जेवी को मंजूरी मिली है। सरकार ने मार्च में नियमों में कुछ बदलाव किए थे, हालांकि बड़े जेवी के लिए सरकारी अनुमोदन अभी भी आवश्यक है। डिक्सन का मानना है कि यह साझेदारी उसकी स्मार्टफोन विनिर्माण क्षमता को मजबूत करेगी और उसे भारतीय एंड्रॉयड बाजार में बड़ी हिस्सेदारी व अधिक ऑर्डर मिलेंगे। इस खबर के बाद निवेशकों ने भी भरोसा दिखाया और डिक्सन टेक्नोलॉजीज का शेयर गुरुवार को 4.35 फीसदी की तेजी के साथ 13,490 रुपये पर बंद हुआ।

नई टाटा नेक्सॉन: तीन खूबियों के साथ बाजार में मचाएगी धमाल

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई । टाटा मोटर्स अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी नेक्सॉन का अगला जेनरेशन मॉडल लाने की तैयारी में है, जिसे कई बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारा जाएगा। नई नेक्सॉन तीन खास खूबियों के दम पर मार्केट में राज करने की क्षमता रखती है। यह मौजूदा एक्स1 प्लेटफॉर्म के बजाय एआरजीओएस प्लेटफॉर्म के संशोधित वर्जन पर आधारित होगी। हालांकि, इसे सब-4 मीटर सेगमेंट के लिए अनुकूलित करने हेतु बदलाव किए जाएंगे, जैसा कि यह प्लेटफॉर्म सिएरा में भी प्रयुक्त हुआ है। फीचर्स के मामले में, नई टाटा नेक्सॉन में महत्वपूर्ण अपग्रेड्स देखने को मिलेंगे। इसमें एक नया, बड़ा इंफोटेनमेंट यूनिट, बेहतर साउंड सिस्टम और एआर एचयूडी जैसे अत्याधुनिक फीचर्स शामिल होने की उम्मीद है। सुरक्षा के लिहाज से कंपनी ने विशेष ध्यान दिया है; उम्मीद है कि इसमें लेवल 2 एडास के साथ मौजूदा 6 एयरबैग और 360-डिग्री कैमरा जैसे सुरक्षा उपकरण भी मिलेंगे। पावरट्रेन विकल्पों की बात करें तो, नई नेक्सॉन में भी वर्तमान मॉडल की तरह सीएनजी, पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक वर्जन उपलब्ध होंगे। दूसरी कार कंपनियों की तरह, टाटा भी हाइब्रिड या प्लग-इन हाइब्रिड सेटअप की पेशकश कर सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

ई20 पेट्रोल से माइलेज में आ सकती है 3-5 प्रतिशत की गिरावट, लेकिन फायदे अनेक: पेट्रोलियम मंत्रालय

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ई20 मिश्रण से कुछ गाड़ियों के माइलेज में 3-5 प्रतिशत की कमी आ सकती है, लेकिन माइलेज सिर्फ एक पैमाना है, क्योंकि ई20 में काफी ज्यादा ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक गुण, तेजी से जलने की क्षमता, बेहतर पिकअप, आसान एक्सेलरेशन और इंजन के क्लीन ऑपरेशन जैसे फायदे मिलते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि ई10 अनुकूलता के लिए, मैन्युफैक्चरर्स से 2020-21 में ही काफी पहले ही विचार-विमर्श कर लिया गया था।

भारत ने जून 2022 में अपना ई10 लक्ष्य (पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) हासिल कर लिया, जो ईएसवाई 2020-21 में तय तारीख से पांच महीने पहले था।

मंत्रालय ने नोट में कहा, 'ई20 के लिए और भी सख्त प्रक्रिया अपनाई गई। ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स, कंपोनेंट सप्लायर्स, टेस्टिंग एजेंसियों और रिसर्च संस्थानों के साथ व्यापक बातचीत की गई। आईएमसी का रोडमैप 2021 से ही सार्वजनिक था और इसमें ई20 तक पहुंचने का एक व्यवस्थित रास्ता बताया गया था।'

इसमें कहा गया है कि सामग्री की अनुकूलता, इंजन कैलिब्रेशन, फ्यूल सिस्टम, गाड़ी चलाने में आसानी, टिकाऊपन, उत्सर्जन और फ्यूल की बचत जैसे हर पहलू की जांच की गई।

बयान के मुताबिक, ई20 को लॉन्च करने से पहले, सरकार ने पूरे इकोसिस्टम में तैयारी सुनिश्चित करने के लिए ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों, तकनीकी विशेषज्ञों, टेस्टिंग एजेंसियों और दूसरे संबंधित लोगों के साथ कई दौर की विस्तृत बातचीत की।

इसमें कहा गया, 'अगर ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियां नतीजों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं होतीं, तो वे कभी भी इस प्रोडक्ट का समर्थन नहीं करतीं या गाड़ियों की वारंटी नहीं देतीं। आज लगभग हर कंपनी सभी गाड़ियों (पुरानी या नई) के लिए वारंटी दे रही है, क्योंकि वे इस बातचीत का हिस्सा रही हैं।'

मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.84 करोड़ गाड़ियों की सर्विसिंग की, जिनमें 1.5 करोड़ पुरानी और गैर-ई20 सर्टिफाइड गाड़ियां शामिल थीं। कंपनी ने ई20 की वजह से जंग लगने, असामान्य घिसाव या पार्ट्स के खराब होने जैसी कोई समस्या नहीं देखी। हीरो मोटोकॉर्प ने भी फील्ड में ऐसा ही अनुभव बताया है। असल जिंदगी के ये सबूत, अलग-अलग लोगों की सुनी-सुनाई बातों से कहीं अधिक भरोसेमंद हैं।

मंत्रालय ने कहा कि ई20 से बहुत कम बारीक कणों का उत्सर्जन होता है और यह पूरे लाइफसाइकिल के दौरान कार्बन एमिशन को लगभग 40 प्रतिशत तक कम कर देता है।

मंत्रालय ने आगे कहा, 'संक्षेप में कहें तो, यह ई10 या शुद्ध पेट्रोल की तुलना में अधिक साफ, बेहतर क्वालिटी वाला और ज्यादा कुशल ईंधन है।' लोग अकसर प्रीमियम पेट्रोल का उदाहरण देते हैं।

संक्षिप्त खबरें

रुपया 15 पैसे मजबूत होकर 95.32 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई, यूटर्न/ 10 जुलाई । रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में 15 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.32 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली और पश्चिम एशिया में तनाव से जुड़ी अनिश्चितताओं का स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में दिन की मजबूत शुरूआत से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 95.27 पर खुला। बाद में 95.32 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को एक पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.47 पर बंद हुआ था।

सोना 410 रुपए हुआ सस्ता, चांदी 477 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई मध्य पूर्व में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति को लेकर बनी अनिश्चितता के चलते निवेशकों ने शुक्रवार को सतर्कता बरती। इसी का असर सोने-चांदी के कारोबार में मिलाजुले रुझानों के रूप में देखा गया, जहां सोना नरमी के साथ खुला, वहीं चांदी ने शुरूआती सुस्ती के बाद तेजी दर्ज की। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,135 डॉलर प्रति औंस के करीब फिसल गया, जबकि चांदी 60.75 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। भारतीय वायदा बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने तक सोने का अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,42,900 रुपये पर, जबकि चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,26,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था।

टीवीएस अपाचे: 70 लाख से ज्यादा लोगों की पसंदीदा, बनी वैश्विक आइकन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी लोकप्रिय परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल सीरीज टीवीएस अपाचे के साथ नया कीर्तिमान रचा है। इस ब्रांड ने वैश्विक स्तर पर 70 लाख (7 मिलियन) से अधिक यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। साल 2005 में अपनी शुरूआत के बाद से, टीवीएस अपाचे ने दुनिया के 90 से अधिक देशों में अपनी धाक जमाई है। इस ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाने के लिए टीवीएस ने तू रेस लगा नामक एक नया कैंपेन लॉन्च किया है, जो अपाचे की खास ट्रैक टू रोड भावना को जीवंत करता है। टीवीएस का कहना है कि अपाचे ने हमेशा ग्राहकों को रेसिंग तकनीक का अनुभव कराया है और अपने सेगमेंट में रोटो-पेटल डिस्क ब्रेक, फ्यूल इंजेक्शन, डुअल-चैनल एबीएस और मल्टीपल राइड मोड्स जैसे कई फीचर्स पहली बार पेश किए। इसके आधुनिक मॉडलों में कीलेस राइड, ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनेमिक स्टेबिलिटी सिस्टम जैसी उन्नत राइडर-असिस्टेंस तकनीक भी मिलती है।

टीवीएस का कहना है कि अपाचे ने हमेशा ग्राहकों को रेसिंग तकनीक का अनुभव कराया है और अपने सेगमेंट में रोटो-पेटल डिस्क ब्रेक, फ्यूल इंजेक्शन, डुअल-चैनल एबीएस और मल्टीपल राइड मोड्स जैसे कई फीचर्स पहली बार पेश किए।

दिलचस्प बात यह है कि इस ऐतिहासिक 70 लाखवें आंकड़े पर जो बाइक रोल-आउट हुई, वह कंपनी की फ्लैगशिप सुपरस्पोर्ट मोटरसाइकिल टीवीएस अपाचे आरआर 310 थी, जिसकी कीमत 2.62 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसमें रेस-ट्यून्ड चेसिस और 312सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है। बिक्री के साथ-साथ, 5 लाख से अधिक राइडर्स के साथ अपाचे का कम्युनिटी बेस भी बेहद मजबूत है, जिनके लिए कंपनी नियमित राइड्स और ट्रैक डे अनुभव आयोजित करती है। अपाचे के पोर्टफोलियो में स्ट्रीट नेकेड (जैसे आरटीआर 160, आरटीआर 310) और सुपरस्पोर्ट (आरआर 310) शामिल हैं, और हाल ही में नई आरटीएक्स के साथ एडवेंचर टूरर सेगमेंट में भी कदम रखा गया है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से खुलेंगे आर्थिक विकास के नए रास्ते : साइमन वॉट्स

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई ।**

न्यूजीलैंड के राजस्व मंत्री साइमन वॉट्स ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को भारत-न्यूजीलैंड संबंधों में एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे दोनों देशों के लिए आर्थिक अवसर खुलेंगे और साथ ही नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता भी मजबूत होगी।

ऑकलैंड में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए, वॉट्स ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों के आपसी संबंधों में एक 'बड़ा कदम' है और इससे दोनों देशों को काफी आर्थिक फायदा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, 'यह हमारे आपसी संबंधों की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे दोनों देशों के लिए आर्थिक फायदे के अहम रास्ते खुलते हैं। यह उन दो देशों के संबंधों को और मजबूत करता है जिनकी सोच नियम-आधारित व्यवस्था और बहुपक्षीय दृष्टिकोण के मामले में काफी मिलती-जुलती है।' वर्तमान समय को न्यूजीलैंड के लिए 'बहुत अहम पल' बताते हुए वॉट्स ने कहा

कि प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करना वेलिंगटन और नई दिल्ली के बीच मजबूत होते रिश्तों को दर्शाता है। उन्होंने आईएएनएस से कहा, 'न्यूजीलैंड के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करना एक बहुत ही अहम पल है। इससे न्यूजीलैंड और भारत के बीच मजबूत होते रिश्तों को और बढ़ावा मिलता है। एफटीए पर हस्ताक्षर करना दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक बड़ा कदम है और न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय के लिए भी यह एक बड़ी बात है।'

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक छवि की भी तारीफ की और कहा कि यह दौरा इस बात का मजबूत संकेत है कि दोनों देश इस साझेदारी को कितना रणनीतिक महत्व देते हैं। वॉट्स ने कहा, 'वह वैश्विक स्तर पर एक अहम हस्ती हैं। हमारे प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के लिए न्यूजीलैंड में उनकी मेजबानी करना सम्मान की बात है।

इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के विलय के बाद एमसीडी में बीजेपी को बहुमत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 10 जुलाई

दिल्ली में 16 नगर पार्षदों वाली इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) का शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पार्टी की नगर इकाई के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में औपचारिक रूप से सत्तारूढ़ पार्टी में विलय हो गया। मुकेश गोयल के नेतृत्व में सभी 16 आईवीपी पार्षदों के विलय के साथ 250 पार्षदों वाली दिल्ली नगर निगम (एमसीडी)

विधानसभा में सत्तारूढ़ भाजपा की संख्या बढ़कर 139 हो गई।

16 पार्षदों का भाजपा में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि मैं भाजपा में शामिल हुए सभी पार्षदों और कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करती हूं कि उन्हें भाजपा परिवार में पूरा सम्मान और सेवा करने का हर अवसर मिलेगा। उन्होंने अपने वार्ड के निवासियों को आश्वासन दिया कि अब उन्हें दिल्ली की 'ट्रिपल-इंजन सरकार' की विकास पहलों का पूरा लाभ मिलेगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि आईवीपी का भाजपा में विलय इसके 16 पार्षदों की इस इच्छा से प्रेरित है कि वे अपने वार्ड के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में रेखा गुप्ता सरकार द्वारा किए जा रहे सर्वांगीण विकास से जोड़ें। मैं भाजपा परिवार में सभी का स्वागत करता हूं। 2025 में, आम आदमी पार्टी से अलग होकर 16 नगर पार्षदों ने गोयल के नेतृत्व में इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) का गठन किया था। दिल्ली भाजपा के एक बयान के अनुसार, गुरुवार शाम को गोयल ने मल्होत्रा और मुख्यमंत्री गुप्ता से औपचारिक रूप से अपनी आईवीपी का भाजपा में विलय करने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचा परिवार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई। सिहानी गेट क्षेत्र में जीटी रोड पर गांधीनगर के पास ट्रक की टक्कर लगने से एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार सवारियों की बाल-बाल जान बची। हादसा आठ जुलाई की रात को हुआ। मामले में कीर्तन वाली गली बजरिया निवासी विरेंद्र कुमार गुप्ता ने सिहानी गेट थाने में ट्रक चालक रामप्रवेश के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि अधिवक्ता विरेंद्र कुमार गुप्ता के मुताबिक आठ जुलाई की रात उनकी बेटी शैतली गुप्ता अपनी कार से चौधरी मोड़ से होते हुए जीटी रोड पर गांधीनगर की तरफ जा रही थी। तभी अचानक सिलेंडर से भरे ट्रक के चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही से नशे की हालत में ट्रक चलाते हुए उनकी बेटी की कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार उनकी पत्नी, पोते और बहू दहशत में आ गए। बाल-बाल उनकी जान बची।

युवक को घायल करने वाले चालक पर लगा 1500 रुपये का जुर्माना

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई। विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 की अदालत ने बृहस्पतिवार को मुरादनगर थाना क्षेत्र में वर्ष 2018 में तेज और लापरवाही से वाहन चलाकर सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति को घायल करने के मामले में आरोपी टीटू को दोषी ठहराते हुए 1,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार, 10 फरवरी 2018 को वादी शशि सैंगर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि आरोपी टीटू ने अपनी गाड़ी को तेज और लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया।

गैस कनेक्शन काटने का भय दिखाकर महिला समेत दो से 37.14 लाख ठगे

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई।

अगर आपके पास गैस कनेक्शन काटने संबंधी फोन आए तो सावधान हो जाएं। गैस कनेक्शन काटने का भय दिखाकर साइबर ठगों ने दो लोगों से 37.14 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पीड़ितों को बिल अपडेट कराने के नाम पर व्हाट्सएप के जरिये एपीके फाइल भेजी। फाइल डाउनलोड करते ही दोनों पीड़ितों के मोबाइल फोन हैक हो गए और बैंक खातों से लाखों रुपये निकाल लिए गए। दोनों मामलों में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एडीसीपी अपराध पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि मुरादनगर निवासी कामना जैन के अनुसार सात जून को उनके पास आईजीएल गैस कनेक्शन काटे जाने का संदेश आया। उसमें समस्या के समाधान के लिए राहुल अग्रवाल नामक व्यक्ति से संपर्क करने के लिए मोबाइल फोन नंबर दिया गया था।

कामना ने इसकी जानकारी अपनी मां नूतन जैन को दी। अगले दिन नूतन जैन ने उक्त नंबर पर बात की तो खुद को आईजीएल का प्रतिनिधि बताने वाले व्यक्ति ने कहा कि गैस बिल अपडेट नहीं होने के कारण कनेक्शन काट दिया जाएगा। आठ जून को आरोपी ने व्हाट्सएप पर आईजीएल गैस बिल अपडेट नाम से एपीके फाइल भेजी। फाइल अपडेट नहीं होने पर 10 जून को कामना जैन ने

आरोपी से बात की। आरोपी ने दोबारा लिंक भेजा और उसे खोलने के बाद बैंक संबंधी जानकारी भरने को कहा।

इसके बाद 11 और 12 जून के बीच उनके माता-पिता के बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक के संयुक्त खातों से डेबिट कार्ड के माध्यम से 16 बार में 18,45,360 रुपये निकाल लिए गए। बाद में ठगों ने व्हाट्सएप कॉल और दूसरे नंबर से संदेश भी भेजे, लेकिन परिवार ने उन्हें नहीं खोला।

दूसरी घटना में कौशांबी स्थित गोवर्धन टावर निवासी सेवानिवृत्त कर्मी अशोक कुमार महेश्वरी को साइबर ठगों ने कॉल कर खुद को आईजीएल का प्रतिनिधि बताया। ठगों ने बिल अपडेट न होने पर गैस कनेक्शन काटने की चेतावनी दी और उनके मोबाइल फोन पर एपीके फाइल भेज दी। फाइल खोलते ही मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके बाद तीन और चार जुलाई को उनके बैंक खातों से 18,69,480 रुपये अन्य खातों में ट्रांसफर कर लिए गए।

ऐसे बनाते हैं शिकार

साइबर अपराधी बिजली बिल, गैस कनेक्शन, ट्रैफिक चालान या केवाईसी अपडेट न होने का डर दिखाकर लोगों को झांसे में लेते हैं। इसके बाद व्हाट्सएप, टेलीग्राम या एसएमएस के जरिये एपीके फाइल भेजते हैं, जिसे इंस्टॉल करते ही मोबाइल फोन का नियंत्रण ठगों के हाथ में पहुंच जाता है। इसके बाद वे ओटीपी समेत अन्य जानकारी हासिल कर बैंक खातों से रकम निकाल लेते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अनजान नंबर से भेजी गई किसी भी एपीके फाइल को डाउनलोड या इंस्टॉल न करें।
कोई भी एप केवल गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें।
व्हाट्सएप में ऑटो मीडिया डाउनलोड का विकल्प बंद रखें।

स्कूल में कंप्यूटर लैब का दरवाजा तोड़कर लाखों का सामान चुराया

गुरुग्राम, यूटर्न/ 10 जुलाई। सुशांतलोक थाना के अंतर्गत कन्हई गांव स्थित सरकारी स्कूल की कंप्यूटर लैब का ताला तोड़कर 7 जुलाई की रात को अज्ञात लोगों ने लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। स्कूल के बाहर से लोगों की आवाज सुनकर आरोपी स्कूटी मौके पर छोड़कर भाग गए। आरोपियों ने कंप्यूटर लैब से नौ कंप्यूटर मॉनिटर और एक इनवर्टर बैटरी चोरी की। आरोपियों ने स्टोर रूम का दरवाजा तोड़कर वहां रखे सामान को भी नुकसान पहुंचाया। सरकारी स्कूल के मुख्य शिक्षक रूपेश की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी संबंधीत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

शराब पीकर हंगामा करने पर दो युवतियों सहित चार पर प्राथमिकी दर्ज

गुरुग्राम, यूटर्न/ 10 जुलाई। सेक्टर-40 थाने की पुलिस ने शराब पीकर हंगामा करने पर दो युवतियों सहित चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वे चारों स्टार मॉल और चुन्नू ढाबे के पर हंगाम कर रहे थे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम के देखकर युवकों व युवतियों ने शराब पीकर बोतलों को सड़क पर फेंक दिया। आरोपियों की पहचान सेक्टर-99 निवासी नितिन व उसकी पत्नी, खोड़ गांव निवासी एक युवती व महेंद्रगढ़ निवासी मनीष के रूप में हुई है।

सात एसीपी की जिम्मेदारियों में फेरबदल

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने जनपद के सात एसीपी की जिम्मेदारियों में फेरबदल कर दिया है। सूर्यबली मौर्य को एसीपी इंदिरापुरम के साथ-साथ आयुक्त भवन एवं आधारभूत संरचना का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सिद्धार्थ गौतम को कविनगर एसीपी और पुलिस लाइंस के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी दी गई है। राम किशन को लोनी एसीपी और सुनील कुमार को मसूरी एसीपी बनाया गया है। शैलेंद्र कुमार सिंह को एसीपी कानून व्यवस्था एवं यातायात तृतीय की जिम्मेदारी दी गई। शुचिता सिंह को एसीपी महिला अपराध और यातायात प्रथम और एसीपी अजय कुमार को सुरक्षा के साथ-साथ यातायात द्वितीय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

बैठक पर सवाल, डिप्टी रजिस्ट्रार ने 15 दिन में मांगा जवाब

गाजियाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई। राजनगर एक्सटेंशन स्थित गौर कैस्केड सोसायटी में अपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन की 26 अप्रैल को हुई बोर्ड बैठक में नियमों का पालन न करने पर पूर्व एओए सचिव पुनीत गोयल ने डिप्टी रजिस्ट्रार से शिकायत की है। इस पर उन्होंने एओए से 15 दिन में जवाब मांगा है। पुनीत ने आरोप लगाया है कि बैठक के लिए कोरम पूरा नहीं किया गया। 48 घंटे से भी कम समय का नोटिस दिया है। वोट नहीं देने वाले सदस्य भी बुलाए गए। विशेष सामान्य सभा बुलाने के नियमों का पालन नहीं किया गया। बायलॉज के अनुसार वार्षिक या स्पेशल मीटिंग की सूचना प्रत्येक ऑनर्स को कम से कम 2 दिन पूर्व दी जानी आवश्यक है, जबकि उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार बैठक की सूचना 25 अप्रैल की रात 12:22 पर प्रसारित हुई और बैठक 26 अप्रैल सुबह 11 बजे रखी गई। इस प्रकार नोटिस पीरियड 48 घंटे से कम रहा। बैठक के लिए 30 प्रतिशत ऑनर्स की व्यक्तिगत उपस्थिति कोरम के लिए जरूरी है, यदि कोरम पूरा न हो तो बैठक को स्थगित किया जाना चाहिए।

11वीं का छात्र नौ माह से लापता अनहोनी की आशंका

» खोड़ा, यूटर्न/ 10 जुलाई।

प्रकाश नगर निवासी अजीत सिंह का 11वीं कक्षा में पढ़ने वाला भाई विजय उर्फ गुरुवचन 21 अक्तूबर 2025 से लापता है। वह घर से मोबाइल फोन लेने की बात कहकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उस समय परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। बुधवार को परिजनों ने दोबारा पुलिस को तहरीर देकर अनहोनी की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस ने छात्र की तलाश फिर तेज कर दी है।

अजीत सिंह ने बताया कि विजय पढ़ाई के साथ मोबाइल रिपेयरिंग का काम भी सीख रहा था। 21 अक्तूबर 2025 को वह दो लोगों से मोबाइल फोन लेने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने विजय का मोबाइल नंबर ट्रेस कर उन दो लोगों से पूछताछ भी की, जिनके पास उसका मोबाइल मिला था, लेकिन छात्र के बारे

में कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद जांच धीमी पड़ गई और परिवार लगातार चौकी व थाने के चक्कर लगाता रहा।

अजीत सिंह ने बताया कि वह हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के कार्यालय में मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर कार्यरत हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के माध्यम से भी मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस ने जांच दोबारा शुरू की।

एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि छात्र की तलाश के लिए दो पुलिस टीमें गठित की गई हैं। पूर्व में जुटाए गए डिजिटल साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की दोबारा जांच कर छात्र का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

गुरुग्राम में दीपक नांदल गैंग के चार शूटर ढेर पांचवें को लगी गोली; तीन पुलिसकर्मी भी घायल

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 10 जुलाई।

गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा की टीमों ने बृहस्पतिवार देर रात गैंगस्टर दीपक नांदल गैंग के चार शूटरों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। वहीं, गोली लगने से घायल हुए पांचवें शूटर को अस्पताल ले जाया गया है। एनकाउंटर में बदमाशों की ओर से चलाई गोली लगने से तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर सिबास कविराज ने एनकाउंटर में चार 4 शूटरों की मौत और 3 पुलिसकर्मियों के घायल होने की पुष्टि की है।

ACP सदर धर्मवीर सिंह ने बताया कि आज शाम कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि कुछ हथियारबंद बदमाश कार में घूम रहे हैं। क्राइम टीम ने इस संबंध में तलाशी अभियान चलाया। इसी बीच, ये बदमाश एक प्रमुख व्यवसायी के घर में घुस गए, जिन्हें विदेश में बैठे एक गैंगस्टर से धमकियां और रंगदारी के लिए कॉल आ रहे थे, और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। यह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बदमाशों को सरेंडर करने को कहा, लेकिन उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में पांच बदमाश घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनमें से चार को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक का इलाज चल रहा है। इस ऑपरेशन में हमारे तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है... अपराधियों की

पहचान की जा रही है।

क्राइम ब्रांच के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक दीपक नांदल गैंग के पांच शूटर स्कॉर्पियो में सवार होकर रंगदारी के इरादे से यहां पहुंचे थे। इसकी सूचना अपराध शाखा की टीमों को पहले से लग गई। पुलिस ने घेराबंदी शुरू की। अपराध शाखा सेक्टर-31 इंचार्ज इंस्पेक्टर आनंद यादव और सेक्टर-40 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जैसे ही काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार बदमाशों ने पुलिस टीम को देखा तो गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। मौके पर 20 से अधिक गोलियां चली। इस दौरान 4 शूटरों को पुलिस ने ढेर कर दिया, जबकि पांचवां बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। एनकाउंटर में एक एएसआई समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए। तीनों को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

शिल्पा मंजूनाथ का फिटनेस को लेकर बदला नजरिया

तमिल और कन्नड़ सिनेमा में अपनी प्रभावशाली परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा मंजूनाथ ने हाल ही में खुलासा किया है कि फिटनेस को लेकर उनका नजरिया पूरी तरह से बदल गया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वर्कआउट करते हुए एक प्रेरणादायक वीडियो पोस्ट किया और इसके साथ अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने लिखा, हाल ही में फिटनेस को लेकर मेरा नजरिया बदला है। एक समय था जब मैं हफ्ते के सातों दिन जिम जाती थी, एक निश्चित रूटीन का पालन करती थी। अब मैं ऐसे दौर में हूं, जहां मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहती हूं, मजे करना चाहती हूं और फिट रहते हुए इस सफर का आनंद लेना चाहती हूं। यह बदलाव उनके लिए एक व्यक्तिगत विकास को दर्शाता है, जहां अब फिटनेस केवल शारीरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने से बढ़कर एक समग्र अनुभव बन गया है। शिल्पा ने आगे बताया, मेरे लिए फिटनेस का मतलब अब सिर्फ वजन उठाना या वजन मशीन पर कोई नंबर देखना नहीं है। इसका मतलब है अपने शरीर को अलग-अलग तरीकों से मूव करना, नई चीजें आजमाना और एक्टिव रहने में खुशी ढूंढना है। शिल्पा का यह नया दृष्टिकोण शारीरिक गतिविधियों को अधिक आनंददायक और टिकाऊ बनाने पर केंद्रित है। एक्ट्रेस ने कहा कि इसके बावजूद वेट ट्रेनिंग और योग अभी भी उनकी फिटनेस की नींव हैं। वे उन्हें मजबूत, जमीन से जुड़ा और संतुलित रखते हैं, जबकि वह बाकी चीजें भी एक्सप्लोर करती रहती हैं। वह मानती हैं कि फिटनेस को व्यक्ति की जरूरतों और जीवनशैली के साथ बदलना चाहिए, और अभी उन्हें यह रूप सबसे ज्यादा खुशी देने वाला लगता है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपनी फिटनेस यात्रा का आनंद लेना चाहिए और अपने शरीर को सुनना चाहिए। सिर्फ एक हफ्ते पहले, एक्ट्रेस ने अपनी ट्रेनर का शुक्रिया अदा करते हुए एक पोस्ट किया था, जिन्होंने उन्हें हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया था। उस पोस्ट में शिल्पा ने कहा था, मजबूत रहो। व्यस्त रहो। मजबूत महिलाएं सिर्फ शरीर नहीं बनातीं, वे अनुशासन, आत्मविश्वास और मुश्किलों से उबरने की क्षमता भी बनाती हैं। मेरी ट्रेनर का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मुझे हर दिन और मजबूत बनने के लिए प्रेरित किया।

कुनाल खेमू ने होस्टिंग डेब्यू पर सलमान खान से तुलना को नकारा

अभिनेता कुनाल खेमू ने हाल ही में रियलिटी शो एलायंस के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद मीडिया से बात करते हुए सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस तरह की तुलना के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहे हैं। कुनाल ने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना है। एक बातचीत के दौरान जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया, मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं। कुनाल ने अपनी ईमानदारी व्यक्त करते हुए कहा कि वह किसी की शैली की नकल करने का इरादा नहीं रखते हैं, और न ही जानबूझकर खुद को दूसरों से अलग दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

जब धर्मेंद्र ने kकल की हसीन मुलाकात गाने में जोड़े अपने अंदाज के रंग

हेमा मालिनी ने सुनाया शूटिंग का खास किस्सा

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अपनी खूबसूरती, शानदार अभिनय और डांस से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। उन्होंने अपने फिल्मी सफर में कई बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, लेकिन दर्शकों को उनकी जोड़ी धर्मेंद्र के साथ हमेशा खास लगी। पर्दे पर दोनों की केमिस्ट्री इतनी पसंद की गई कि उनकी कई फिल्में और गाने आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं। इन्हीं यादगार पलों में से एक है फिल्म 'चरस' का लोकप्रिय गाना 'कल की हसीन मुलाकात के लिए', जिसकी शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा अब हेमा मालिनी ने साझा किया है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने बताया कि गाने की कोरियोग्राफी पहले से तैयार थी, लेकिन धर्मेंद्र अक्सर उसमें अपनी तरफ से कुछ नया जोड़ देते थे। उनके एक्सप्रेशन, अंदाज और छोटे-छोटे बदलाव गाने को और खास बना देते थे। हेमा मालिनी ने बताया, ''इस गाने की तैयारी भारत में हुई थी, लेकिन इसकी शूटिंग विदेश में की गई थी। उस समय फिल्म के कई शानदार गानों की शूटिंग चल रही थी। धरमजी का काम करने का तरीका काफी अलग था। डांस कोरियोग्राफर जो सिखाते थे, उसमें वह अपने आइडिया और एक्सप्रेशन शामिल कर देते थे। फिर मैं भी उसी हिसाब से अपनी परफॉर्मेंस बदल लेती थी।'' गाने के एक खास हिस्से को याद करते हुए हेमा मालिनी ने बताया कि उन्हें इसका शुरूआती सीन बहुत पसंद था। उन्होंने कहा, ''गाने की शुरूआत में मैं धरमजी को पीछे धकेलती हूं और फिर वह उसी अंदाज में वापस मेरे पास आते हैं। ऐसे छोटे-छोटे बदलाव ही किसी भी परफॉर्मेंस को खास बना देते हैं और दर्शकों को लंबे समय तक याद रहते हैं।'' बता दें कि फिल्म 'चरस' का निर्देशन मशहूर निर्देशक रामानंद सागर ने किया था। फिल्म में धर्मेंद्र और हेमा मालिनी के अलावा अजीत, अमजद खान, सुजीत कुमार, अरुणा ईरानी, असरानी, केष्टो मुखर्जी और टॉम ऑल्टर जैसे कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

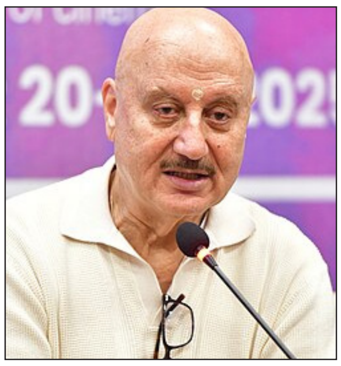

अनुपम खेर ने किए रामलला के दर्शन

उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर इन दिनों चंदे से जुड़े विवादों को लेकर सुर्खियों में बना हुआ है। इसी बीच, अभिनेता अनुपम खेर पूरी श्रद्धा के साथ रामलला के दर्शन करने पहुंचे और उनकी भक्ति में लीन नजर आए। अयोध्या पहुंचकर उन्होंने भगवान श्री राम के चरणों में माथा टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित गबन के मामले पर अनुपम खेर ने अपनी राय भी रखी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की गलत हरकतों के लिए मंदिर या लोगों की आस्था को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर किसी के घर में चोरी हो जाए तो गलती घर की नहीं, बल्कि चोरी करने वाले की होती है। अनुपम खेर ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि जिन्होंने गलत किया है, उन्हें कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए, लेकिन इस वजह से राम मंदिर की पवित्रता या करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राम मंदिर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि सदियों के संघर्ष, विश्वास और करोड़ों लोगों की भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने हर नए प्रोजेक्ट की शुरूआत भगवान का आशीर्वाद लेकर करते हैं और यह उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

फीफा वर्ल्ड कप : इंग्लैंड की बढ़ी मुश्किलें, क्वार्टर फाइनल में मार्क गुएही के खेलने पर संशय बरकरार

» मियामी, यूटर्न/ 10 जुलाई।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले इंग्लैंड की टेंशन बढ़ गई है। नॉर्वे के खिलाफ होने वाले अहम मैच में टीम के डिफेंडर मार्क गुएही का खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, मिडफील्डर डेक्लान राइस भी बीमारी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला रविवार को मियामी स्टेडियम में खेला जाना है। इससे पहले, टीम ने राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको को 3-2 से हराकर अंतिम आठ का टिकट हासिल किया था। इसी मुकाबले के बाद गुएही को हल्की हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। शुक्रवार को गुएही फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे, जिसके बाद ही यह तय हो पाएगा कि वह नॉर्वे के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे या नहीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुएही और डेक्लान राइस बुधवार को टीम के साथ ट्रेनिंग में शामिल नहीं हुए। दोनों खिलाड़ियों ने मैदान से अलग अपना रिकवरी और फिटनेस प्रोग्राम पूरा किया। अगर गुएही शुक्रवार को टीम के साथ अभ्यास नहीं कर पाते हैं, तो नॉर्वे के खिलाफ उनके खेलने की संभावना काफी कम हो सकती है।

दूसरी ओर, डेक्लान राइस भी बीमारी के कारण लगातार दूसरे दिन ट्रेनिंग से दूर रहे। इंग्लैंड की टीम को उम्मीद है कि वह समय पर फिट होकर क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। इंग्लैंड के लिए डिफेंस में भी परेशानी खड़ी हो गई है। मेक्सिको के खिलाफ मुकाबले में जेरेल क्वांसाह को रेड कार्ड मिला था, जिसके कारण वह दो मैचों के लिए निलंबित हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में कोच थॉमस ट्यूशेल को टीम कॉम्बिनेशन को लेकर नए विकल्प तलाशने होंगे। नॉर्वे के खिलाफ इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड होंगे।

फोटो स्टोरी

टूर डी फ्रांस साइकिल रेस के छठे चरण में उनो एक्स मोबिलिटी के टोरस्टीन ट्रेइन पीली जर्सी में आगे निकलते हुए।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3 ,889 हुई , राहत कार्य जारी

» काराकास, यूटर्न/ 10 जुलाई ।

वेनेजुएला में आए भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,889 हो गई है, जबकि 16,740 लोग घायल हुए हैं। वेनेजुएला नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने यह जानकारी दी।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर कहा कि 24 जून को देश में आए शक्तिशाली भूकंप के झटकों से 17,907 लोग बेघर हो गए हैं। नए सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 6,462 लोगों को बचाया गया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, भूकंप आने के बाद से वेनेजुएला में 1,142 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों से मिली मानवीय मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह टिप्पणी काराकास में एक राहत सामग्री संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद की,

जहां 24 जून को आए भूकंप के पीड़ितों के लिए बनाए गए अस्थायी राहत शिविरों में वितरण हेतु 2,000 टन से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री को छांटा और व्यवस्थित किया जा रहा है।

रोड्रिग्ज ने कहा, 'वेनेजुएला उन देशों, दुनिया के लोगों और दुनिया की सरकारों को धन्यवाद देते नहीं थकता, जिन्होंने मदद की पेशकश की है। प्रत्येक देश यह देख सकेगा कि उसकी सहायता का उपयोग कैसे किया जा रहा है, ताकि वेनेजुएला के लोगों को उस देश की मैत्रीपूर्ण मदद का एहसास हो।' रोड्रिग्ज ने कहा, 'इस त्रासदी पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, वेनेजुएला जानता है कि यह अकेला नहीं है। सबसे जरूरी बात भविष्य की ओर देखना है, हम कैसे ठीक होंगे, हम प्रभावित इलाकों को कैसे फिर से बनाएंगे।' पहले एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया था कि 17,345 लोग बेघर भी हुए हैं। अधिकारियों ने बेघर और प्रभावित लोगों की मदद के लिए कई अस्थायी कैंप भी बनाए हैं। वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते 24 जून को देश में आए जोरदार भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की।

रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में लिखा, 'पीड़ितों की याद में, मैंने आज शाम 6:00 बजे से सात (7) दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक घोषित करने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा कि 'बहुत दुख की इन घड़ियों में, हम उन लोगों को गले लगाते हैं जो इस दुखद घटना से पीड़ित हैं और उनके साथ रहने और उनकी रक्षा करने का अपना वादा दोहराते हैं।'

संक्षिप्त खबरें

अयातुल्ला अली खामेनेई को किया सुपुर्द-ए-खाक

मशहद, यूटर्न/ 10 जुलाई । ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के अन्य सदस्यों को गुरुवार देर रात को मशहद शहर के 'इमाम रजा दरगाह' में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। ईरान की समाचार एजेंसी इरना के अनुसार देर रात श्री खामेनेई के बड़े बेटे हुज्जतुलइस्लाम सैय्यद मुस्तफा हुसैनी खामेनेई की अगुवाई में लाखों लोगों ने जनाजे की नमाज अदा की। इसके साथ ही ईरान और पड़ोसी देश इराक के पांच शहरों में छह दिनों से चल रहा शोक यात्रा संपन्न हो गया। मंगलवार को ईरान के मध्य शहर कोम में अंतिम संस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसके बाद अगले दिन इराक के शहरों नजफ और कर्बला में शोक समारोह हुए।

गंगा जल संधि पर भारत के साथ बातचीत कर रहा बांग्लादेश

ढाका, यूटर्न/ 10 जुलाई । बांग्लादेश ने भारत के साथ दिसंबर में समाप्त होने वाली 1996 की ऐतिहासिक गंगा जल संधि के नवीनीकरण को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। बांग्लादेश सरकार को उम्मीद है कि इस महत्वपूर्ण समझौते को आगे बढ़ाने के लिए भारत का पूरा समर्थन मिलेगा। इस विषय पर दोनों देशों के बीच नई दिल्ली में बातचीत का दौर जारी है। बांग्लादेश का कहना है कि हालांकि संधि के नवीनीकरण को लेकर अंतिम फैसला पूरी तरह भारत पर निर्भर करता है, लेकिन वह इस मामले में पूरी तरह आशावादी बना हुआ है।

38 मांगे 48 घंटे में पूरी करें, वरना आर-पार की होगी जंग: जेएएसी

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 10 जुलाई । पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में इन दिनों तनाव चरम पर है। जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने इस्लामाबाद सरकार को 48 घंटे का सख्त अल्टीमेटम दिया है। कमेटी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर उसकी 38 सूत्रीय मांगों को तुरंत स्वीकार नहीं किया गया तो वह बड़े, निर्णायक और आखिरी दौर का विरोध प्रदर्शन शुरू कर देगी, जिसका अर्थ आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। 27 जुलाई को होने वाले क्षेत्रीय चुनावों के मद्देनजर, 9 जून से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है, और इसी बीच जेएएसी ने मुजफ्फराबाद की ओर एक विशाल जन-प्रतिरोध मार्च निकालने का ऐलान किया है, जो क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अशांति का संकेत है।

पुतिन का खतरनाक प्लान: यूक्रेन में शांति नहीं, अब और बढ़ेगा तनाव

मॉस्को, यूटर्न/ 10 जुलाई । यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीदें एक बार फिर धूमिल होती दिख रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जहां शांति समझौते की बातें कर रहे हैं, वहीं क्रेमलिन से आ रही चौंकाने वाली खबरें बिल्कुल विपरीत तस्वीर पेश कर रही हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समझौते में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, बल्कि युद्ध को नया रूप देकर और आगे बढ़ाने की रणनीति बना रहे हैं, जिससे तनाव और बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट बताती है कि यूक्रेन द्वारा रूसी तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और ईंधन बुनियादी ढांचे पर बढ़ाए गए ड्रोन हमलों ने पुतिन के इरादों को और मजबूत कर दिया है। इन हमलों ने उनकी इस धारणा को बल दिया है कि रूस को अपने सैन्य लक्ष्य पूरे होने तक अभियान जारी रखना चाहिए। यह रिपोर्ट ट्रंप के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि युद्ध अपेक्षा से पहले खत्म हो सकता है। पिछले सप्ताह पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से अलग-अलग फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि दोनों पक्ष समझौते के करीब हैं। इसके बाद नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात में भी शांति प्रयासों पर चर्चा हुई थी। हालांकि, क्रेमलिन के अंदरूनी सूत्र एक अलग ही कहानी बयां कर रहे हैं। पुतिन से नियमित संपर्क में रहने वाले एक सूत्र ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और विशेष रूप से डोनबास क्षेत्र के शेष यूक्रेनी नियंत्रित हिस्सों पर कब्जा करने पर पूरा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में उन सलाहकारों के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिन्होंने मौजूदा फ्रंटलाइन पर लड़ाई रोकने की सिफारिश की थी। पुतिन का मानना है कि रूसी सेना धीरे-धीरे ही सही, पूरे डोनबास पर कब्जा कर लेगी।

इजरायल की रिपोर्ट में दावा: ट्रंप को एक झटके में ढेर कर देगा ईरान?

» तेल अवीव, यूटर्न/ 10 जुलाई ।

इजरायल ने अपनी खुफिया रिपोर्ट में दावा किया है कि ईरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है। यह चौंकाने वाला दावा ऐसे समय में सामने आया है जब बीते कुछ दिनों से ईरान और अमेरिका के बीच टकराव एक बार फिर बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने ट्रंप की हत्या की नई ईरानी साजिश से संबंधित जानकारी साझा की है। यह घटनाक्रम तब आया है जब तीन सप्ताह पहले ही अमेरिका और ईरान के बीच एक अस्थायी युद्धविराम हुआ था, लेकिन अब इस रिपोर्ट के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने और टकराव की आशंकाएं और तेज हो गई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अभी तक कोई अंतिम डील भी नहीं हो पाई है। यह ध्यान देने योग्य है कि 2020 में जब अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी मारे गए थे, तब भी ईरान ने कई सालों तक ट्रंप को हत्या की धमकी दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली खुफिया एजेंसियां लगातार ईरान के इरादों को समझने की कोशिश करती रहती हैं और कई बार इजरायल ने ईरान की साजिशों की रिपोर्ट अमेरिका को दी है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इजरायल की यह खुफिया रिपोर्ट डोनाल्ड ट्रंप के इरादों को भी बदल सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते के लिए पिछले एक महीने में काफी प्रयास किए हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट चेतावनी भी दी है कि अगर ईरान कोई गड़बड़ करता है तो बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया जाएगा। तुर्की यात्रा के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने खुद ही

यह बात कही थी कि ईरान उन्हें खत्म करना चाहता है और उनका नाम ईरान की सारी लिस्ट में शामिल है, लेकिन इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। हाल के दिनों में दोनों तरफ से हमले तेज हुए हैं, जिससे अस्थायी युद्धविराम खटाई में पड़ गया है। गुरुवार को अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिका के सहयोगी पश्चिमी देशों में मिसाइल और ड्रोन से हमले किए।

पहले डील फिर धमकी और अब अटैक, क्यों भड़के ट्रंप?

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 10 जुलाई । ईरान ने स्टेट ऑफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया, और इसके जवाब में अमेरिका ने 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें बरसाने का दावा किया। पहली नजर में यह संघर्ष विराम तोड़ने पर अमेरिका की सीधी सैन्य प्रतिक्रिया लगती है, लेकिन इस कहानी का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू भी है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। डोनाल्ड ट्रंप ने जून में जिस संघर्ष विराम और समझौते को अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया था, वही समझौता कुछ ही दिनों बाद उनके लिए राजनीतिक बोझ बन गया। उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी के कई बड़े नेताओं ने सवाल उठाए कि आखिर अमेरिका ने ईरान को इतनी रियायतें क्यों दीं। इस डील के तहत अमेरिका ने होर्मुज से नौसैनिक नाकाबंदी हटाने और ईरानी तेल पर अस्थायी राहत देने जैसी रियायतें दीं। बदले में ईरान ने स्टेट ऑफ होर्मुज खोलने का वादा किया। लेकिन इस डील के आलोचकों का कहना था कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता या प्रॉक्सी नेटवर्क पर कोई ठोस कार्रवाई करने का वादा नहीं किया। इसने ही ट्रंप के लिए राजनीतिक मुश्किलें पैदा कर दीं। टॉम कॉटन, रोजर विकर, बिल कैसिडी, जॉन कॉर्निन और टेड क्रूज जैसे रिपब्लिकन नेताओं ने अलग-अलग शब्दों में इस समझौते पर सवाल उठाए। कुछ ने इसे अमेरिका की कमजोर सौदेबाजी बताया तो कुछ ने इसे अमेरिकी विदेश नीति का ब्लंडर कहा। वहीं कुछ ने कहा कि ईरान को बिना पर्याप्त कीमत चुकाए बड़ी राहत मिल गई। फिर 6-7 जुलाई को ईरान ने स्टेट ऑफ होर्मुज में तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर दिया।

चीन में जूतों की फैक्ट्री में लगी भीषण आग , 28 की मौत

» बीजिंग, यूटर्न/ 10 जुलाई ।

चीन के जिनजियांग शहर में एक जूतों की फैक्ट्री में भीषण आग लगने से कम से कम 28 लोगों की दुखद मौत हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। सामने आए वीडियो फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत का अगला हिस्सा बुरी तरह से जला हुआ, काले और सफेद धुएं से लिपटा हुआ दिख रहा है, जो आग की भयावहता को दर्शाता है। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बचाव और राहत कार्यों के लिए पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के जिनजियांग शहर में एक संयुक्त कार्य दल भेजा। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजे लगी और तेजी से फैल गई। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाया है और अधिकारियों को तलाश एवं बचाव अभियानों में हरसंभव प्रयास करने का निर्देश दिया है। उन्होंने घटना के कारणों का तेजी से पता लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करने तथा जवाबदेही तय करने के सख्त आदेश दिए हैं। जिनपिंग ने जांच में कोई ढिलाई न बरतने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। शहर के फायर डिपार्टमेंट के एक बयान के अनुसार, आग हुईटेंग शू कंपनी की एक फैक्ट्री में लगी थी। जिनजियांग को चीन की जूतों की राजधानी के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस घटना का महत्व और बढ़ जाता है। आग लगने के कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है, और यह भी पूरी तरह से साफ नहीं है कि हाल के वर्षों में चीन में लगी सबसे जानलेवा आग में मरने वालों के अलावा और कितने लोग घायल हुए हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *